दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 29 दिसंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 91

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, बेटी ने दी मुखाग्नि

नईदिल्ली | आरएनएस

आर्थिक सुधारों के जनक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए. पूर्व पीएम की बेटी ने उन्हें मुखाग्नि दी. उनका निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी.

इससे पहले निगम बोध घाट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने उन्हें श्रद्धांजली दी. राहुल गांधी ने उन्हें कंधा भी दिया.

अंतिम यात्रा से पहले सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में रखा गया था, जहां कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर उनके आवास से सुबह करीब नौ बजे कांग्रेस मुख्यालय लाया गया, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनके अंतिम दर्शन के लिए पहले से ही इंतजार कर रहे थे.

मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर रखे जाने के बाद सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा तथा पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनके परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी कांग्रेस मुख्यालय में मौजूद थे. गुरशरण कौर ने भी पुष्प अर्पित करके अपने पति को अंतिम विदाई दी. राहुल गांधी मनमोहन सिंह के परिवार को ढांढस बंधाते हुए उनके साथ पार्टी मुख्यालय के भीतर दाखिल हुए थे.

मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहे और उससे पहले उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में मदद की. उनके नेतृत्व वाली सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई), शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी युग परिवर्तनकारी योजनाओं की शुरूआत की. मनमोहन सिंह 1991 में नरसिम्हा राव सरकार में भारत का वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था. बता दें कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गरुवार रात दिल्ली स्थित एम्स में निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे.

मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जमीन आवंटित करेगी सरकार

गृहमंत्रालय ने पूर्व पीएम के परिवार को दी जानकारी

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है. आज दिल्ली के निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस बीच शुक्रवार रात घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए भारत सरकार जगह आवंटित करेगी. मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने सरकार के इस फैसले की जानकारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार को दे दी है. मंत्रालय के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखा था. पत्र में उन्होंने आग्रह किया था कि डॉ. मनमोहन सिहं का अंतिम संस्कार ऐसे जगह हो, जहां उनका स्मारक बनाया जा सके. बता दें, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि सरकार ने जगह के चयन में देरी की. ये पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में बड़ी चूक है. गृह मंत्रालय ने बताया कि कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मनमोहन सिंह के परिवार और मल्लिकार्जुन खरगे को जानकारी दी स्मारक के लिए सरकार जमीन का आवंटन करेगी. मंत्रालय ने बताया कि स्मारक के निर्माण के लिए ट्रस्ट का गठन किया जाएगा. आने वाली पीढ़ियों को उनसे प्रेरणा मिल सके, इसलिए सरकार उनके स्मारक के लिए जमीन आवंटित करेगी. मामले में गृहमंत्रालय ने आगे बताया कि अंतिम संस्कार सहित अन्य औपचारिकताओं के बाद स्मारक के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी.

महत्वपूर्ण एवं खास

तीसरी बेटी होने पर पति ने पत्नी को जिंदा जलाया, आग की लपटों में घिरी सड़क पर दौड़ी महिला

परभणी (आरएनएस)। परभणी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया। घटना रात करीब 8 बजे की है, जब आरोपी ने अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरी महिला को सडक़ पर भागते हुए देखा गया, जहाँ कुछ लोगों ने पानी और चादर से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना का फुटेज अब सामने आया है, जो इस भयावह घटना की गवाही देता है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कुंडलिक काले परभणी के फ्लाई ओवर इलाके में अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहता था। कुछ दिन पहले ही वह तीसरी बार पिता बना था, और इस बार भी बेटी होने के कारण वह अपनी पत्नी से नाराज़ था। पहले से ही उसकी दो बेटियां थीं। मृतक महिला की बहन ने पुलिस थाने में कुंडलिक काले के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कुंडलिक को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मृतक महिला की बहन का बयान दर्ज कर लिया गया है और मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिहार : जन्मदिन पार्टी के दौरान एक की मौत, पुलिस पर गोली चलाने का आरोप

सासाराम (आरएनएस)। बिहार के रोहतास के नगर थाना क्षेत्र में पुलिस और युवकों के बीच हुई झड़प में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य युवक घायल हो गए। इस मामले में पुलिस पर गोली चलाने का आरोप लग रहा है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की देर रात कुछ युवक नगर थाना क्षेत्र के एक निजी कैंपस में एक मित्र की जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे। सभी युवक पार्टी के मूड में थे। इसी दौरान यातायात डीएसपी आदिल बिलाल अन्य पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंच गए और युवकों से उन्होंने पूछताछ शुरू कर दी। यातायात पुलिस के होने के कारण युवकों ने भी उनके आने को लेकर सवाल उठा रहे थे। इसी बीच दोनों ओर से कहासुनी शुरू हो गई। पुलिस पर आवेश में आकर गोली चलाने के आरोप लग रहे हैं। गोलीबारी में मारे गए शख्स की पहचान शिवसागर निवासी राणा ओम प्रकाश सिंह उर्फ बादल कुमार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के एक अधिकारी शनिवार को बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजन पुलिस पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। कई थानों की पुलिस सासाराम में गश्त कर रही है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

बीपीएससी परीक्षा विवाद, नामी शिक्षक गुरु रहमान को भेजा गया नोटिस

पटना | आरएनएस

पटना पुलिस ने प्रसिद्ध शिक्षक गुरु रहमान को नोटिस भेजा है। उन्हें थाने में आकर पेपर लीक संबंधित सबूत पेश करने को कहा गया है। मामला बीपीएससी परीक्षा पेपर लीक से जुड़ा है। गुरु रहमान को आज गर्दनीबाग थाना में बुलाया गया है और कहा गया है कि अगर उनके पास पेपर लीक होने के कोई सबूत हैं, तो उन्हें वह सबूत लेकर आना होगा। अगर वे नहीं आते हैं या उनके पास कोई सबूत नहीं होता है, तो यह माना जाएगा कि वे सरकार और बिहार लोक सेवा आयोग की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि यदि गुरु रहमान नहीं आते या उनके पास कोई सबूत नहीं होता, तो उनके खिलाफ बिहार में राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है। बता दें कि 26 दिसंबर को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठे थे। इसी बीच, छात्रों के प्रदर्शन में साथ देने चर्चित शिक्षक गुरु रहमान भी पहुंचे। गुरु रहमान ने प्रदर्शनकारी छात्रों का हौसला बढ़ाया था। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा था कि पुनर्परीक्षा के अलावा कोई दूसरी मांग नहीं है। अब सब छात्र और शिक्षक एक हो गए हैं। उन्होंने पुलिस लाठीचार्ज की निंदा करते हुए कहा था कि पुलिस ने जिस तरीके से लड़कियों को पीटा है, वह गलत है और उसकी जांच होनी चाहिए। बता दें कि 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा में प्रदेश की राजधानी पटना के बापू भवन परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र लीक होने की अफवाह फैल गई थी, जिसके बाद सैकड़ों उम्मीदवारों ने विरोध दर्ज कराने के लिए परीक्षा का बहिष्कार भी किया था। इसके बाद बीपीएससी ने बापू परीक्षा परिसर में फिर से परीक्षा आयोजित करने का आदेश दिया। दूसरी तरफ छात्र पूरी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में धरने पर बैठ गए थे।

आर के पुरम में नाले का बड़ा हिस्सा धसा, 25 फीट गड्ढे में समाई कार

नई दिल्ली | आरएनएस

दिल्ली के आर के पुरम सेक्टर 9 में शनिवार रात संगम सिनेमा के पास स्थित नाले का लेंटर धसने से सडक़ का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया. इस घटना में लगभग 25 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया, जिसमें एक कार और एक बाइक समा गई. हालांकि, गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई भी घायल नहीं हुआ.

इस घटना के पीछे शुक्रवार रात को हुई तेज बारिश को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है. भारी वर्षा के चलते नाले के लेंटर पर बढ़ते दबाव ने उसे तोडऩे के लिए मजबूर कर दिया. स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले की हालत पिछले कई महीनों से खराब थी, और इस प्रकार की अनहोनी की आशंका पहले से ही जताई जा रही थी.

घटना की जानकारी मिलने के बाद, स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया. एक क्रेन की मदद से गड्ढे में फंसी बाइक और कार को निकाला गया. इस दौरान प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह क्षेत्र एमसीडी का पुराना नाला है, जिसे समय पर मरम्मत की आवश्यकता थी.

रमेश, जो घटना के प्रत्यक्षदर्शी थे, ने कहा, यह नाला पूरी तरह से डैमेज हो चुका था. कब, कहां और कैसे घटना हो जाएगी, यह किसी को नहीं पता था. गनीमत है कि उस वक्त गाड़ी में कोई व्यक्ति नहीं था.

इस घटना ने स्थानीय प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया है, जो बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के प्रति गंभीरता से विचार नहीं कर रहा है. लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि क्या दिल्ली में बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को लेकर प्रशासन की प्राथमिकताएं सही हैं या नहीं.

इसके अलावा, शुक्रवार की बारिश के कारण दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में कई पेड़ भी गिर गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ. स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से यह मांग की है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए शीघ्र और प्रभावी कदम उठाए जाएं.

सोनीपत : लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल गिरफ्तार

चंडीगढ़ | आरएनएस

हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की सोनीपत यूनिट ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अंकित नरवाल को गिरफ्तार किया है। अंकित फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की योजना बना रहा था। वह चार गंभीर अपराधों में शामिल था और हाल ही में जमानत पर जेल से बाहर आया था।

सोनीपत एसटीएफ को जानकारी मिली थी कि अंकित नरवाल, जो सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहता था, विदेश भागने की तैयारी कर रहा था। इस पर एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए अंकित को गिरफ्तार किया। अंकित पर चंडीगढ़ में दो युवकों की हत्या सहित कई गंभीर अपराधों का आरोप है। एसटीएफ ने उसकी योजना को नाकाम कर दिया और उसके खिलाफ सबूत जुटाए।

डीएसपी इंदिवर ने बताया कि अंकित ने बरोदा थाना इलाके में फर्जी कागजात के आधार पर पासपोर्ट बनवाया था। इस मामले में बरोदा थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया। अब एसटीएफ यह पता लगा रही है कि अंकित को फर्जी पासपोर्ट बनाने में किसने मदद की।

अंकित के खिलाफ पहले भी चार संगीन अपराधों के आरोप थे।

डीएसपी ने बताया कि अंकित नरवाल को चार दिन के पुलिस रिमांड पर रखा गया है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस जानने की कोशिश कर रही है कि वह किन लोगों के साथ मिलकर यह फर्जी दस्तावेज तैयार करवाता था और पासपोर्ट की सत्यापन प्रक्रिया में कौन शामिल था। जांच अभी जारी है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स इस मामले में सक्रिय रूप से जांच कर रही है और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। पहले भी ऐसे मामलों में युवकों की पहचान की गई है जो फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की कोशिश करते हैं। इस मामले की भी गहन जांच की जा रही है और जिन लोगों ने उसे पहचान पत्र और पासपोर्ट बनाने में मदद की, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फिलहाल इस मामले में अंकित नरवाल के खिलाफ रंगदारी या फिरौती का कोई आरोप नहीं है, लेकिन उसके खिलाफ चार गंभीर आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज हैं।

मणिपुर में फिर हिंसा : गोलीबारी और बमों से गांव पर किया अटैक, सीएम बोले-ये शांति और सद्भाव पर हमला

इंफाल | आरएनएस

मणिपुर के इंफाल ईस्ट के गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और अचानक गोली बारी करने लगे। इस घटना पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि इम्फाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी उग्रवादियों की ओर से की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं। इस घटना में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। राज्य के निर्दोष लोगों पर इस तरह गोलीबारी की घटना बेहद कायरतापूर्ण है। बिना किसी कारण के किया गया ये हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। उन्होंने कहा कि गोलीबारी से प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को जरूरी सहायता मिल रही है और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस के बीच उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए। ईफाल ईस्ट जिले एक अधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में कुछ हथियार बंद लोग आए और ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। उन्होंने लोगों को घरों पर बमबारी भी की। मौके पर सुरक्षा बलों पहुंचे और उन्होंने जवाबी कार्रवाई की।

इस स्थिति में वहां मौजूद लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना स्थल पर अफरा तफरी मच गई। फिलहाल, इस घटना में किसी के जान जाने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ लोग और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने मौके पर महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित निकाला। गोलीबारी और बमबाजी की आवाजें सुनकर बच्चे काफी डर गए और जोर-जोर से रोने लगे। उन्हें किसी तरह से वहां से बाहर निकाला गया।

भारी बर्फबारी से घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त, जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर सैकड़ों लोग फंसे

श्रीनगर | आरएनएस

भारी बर्फबारी के कारण शनिवार को घाटी में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ों वाहन फंसे रहे।

शुक्रवार दोपहर को भारी बर्फबारी शुरू हो गई, जो शनिवार सुबह तक जारी रही।

सडक़ पर अत्यधिक फिसलन से पीर पंजाल सुरंग और श्रीनगर शहर के बीच सैकड़ों वाहन अटके पड़े हैं।

भारी बर्फबारी और शून्य से नीचे के तापमान के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर बर्फ की मोटी चादर जम गई। जिसकी वजह से हाइवे पर गाडिय़ां कई घंटों तक सुरंग के अंदर फंसी रहीं।

स्थानीय अधिकारी सडक़ पर फंसी हुई गाडिय़ों को निकालने के लिए काफी प्रयास कर रहे थे, लेकिन बर्फबारी के कारण वाहन लगातार कई घंटों तक फंसे रहे।

कुलगाम और अनंतनाग जिलों में वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी बर्फ हटाने वाली मशीनों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे वाहनों को निकालने के लिए पहुंचे।

शनिवार सुबह तक यातायात पूरी तरह से बहाल नहीं हो सका।

श्रीनगर शहर और अन्य जिलों जैसे बडगाम, गांदरबल, बांदीपोरा, बारामुल्ला, कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, कुलगाम और शोपियां में भारी बर्फबारी के कारण सभी सडक़ें बंद हो गईं। बर्फ हटाने वाली मशीनों को सुबह भेजा गया ताकि यातायात बहाल किया जा सके।

श्रीनगर शहर के कुछ हिस्सों को छोडक़र बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई। भारी बर्फबारी के कारण बिजली के खंभे उखड़ गए, ट्रांसमिशन लाइनें टूट गईं और बिजली ग्रिड बाधित हो गए।

हालांकि इस बर्फबारी से स्थानीय लोग काफी खुश हैं। क्योंकि लंबे समय से सूखा चल रहा था और लोग अब अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे है। पिछले चार महीनों में बारिश न होने के कारण घाटी के अधिकांश झरने और कुएं सूख गए थे।

श्रीनगर शहर और आसपास के इलाकों में यह मौसम की पहली बर्फबारी थी। बर्फबारी से घाटी में छुट्टियां मना रहे पर्यटकों के चेहरे भी खिल उठे। गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और अन्य पर्यटन स्थलों में करीब 10 इंच ताजा बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और बर्फबारी और बारिश का अनुमान जताया है।

दिसंबर की बारिश ने दिल्ली में तोड़ा 101 साल का रिकॉर्ड, वायु गुणवत्ता सूचकांक में हुआ सुधार

नईदिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई. जिसने दिसंबर के महीने में हुई बारिश का 101 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया. आईएमडी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी के सफदरजंग में शनिवार सुबह 8.30 बजे 24 घंटों के दौरान 41.2 मिमी बारिश दर्ज की गई. जो दिल्ली में दिसंबर के महीने में एक ही दिन में हुई अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा बारिश थी. दिसंबर के महीने में इससे पहले बारिश का रिकॉर्ड 3 दिसंबर 1923 को बना था, तब 75.7 मिमी बारिश हुई थी. वहीं शुक्रवार को हुई बारिश बीते 15 सालों में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई. इस बारिश के बाद अधिकतम तापमान में लगभग 10 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और तापमान गिरकर 14.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया. इसी के साथ शुक्रवार का दिन इस सीजन में पिछले पांच साल में सबसे ठंडा दिन रहा. बता दें कि राजधानी दिल्ली में शुक्रवार से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है. जिससे ठंड में तो इजाफा हुआ है लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक काफी बेहतर हो गया है. इसके बाद दिल्ली में लगी ग्रैप-3 की पाबंदियां भी हटा दी गई हैं. केंद्रीय प्रदूषण सूचकांक बोर्ड के मुताबिक, बारिश के बाद शनिवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर 'मध्यम' श्रेणी में आ गया, जो पिछले कई दिनों से 'बहुत खराब' श्रेणी में बना हुआ था. सीपीसीबी के डेटा के मुताबिक, शनिवार सुबह 8 बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 164 दर्ज किया गया. जो शुक्रवार को 300 से ऊपर था. बारिश के बाद दिल्ली से सटे नोएडा में एक्यूआई 116, ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 87, गाजियाबाद में 87, गुरुग्राम में 108, फरीदाबाद में 108 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया.